Total No. of Questions - 3] [Total Pages : 4

**(2062)**

# 9725

## M.A. Examination

HINDI

(समकालीन हिन्दी उपन्यास)

Paper–XVI (ii)

(Semester–IV)

Time : Three Hours] [Max. Marks : { Regular : 80 / Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

**नोट :** सभी प्रश्न कीजिए।

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) समय मात्र अनुभव है, इतिहास है। इस संदर्भ में 'क्षण' वही है जिसमें अनुभव तो है लेकिन जिसका इतिहास नहीं है, जिसका भूत-भविष्य कुछ नहीं है; जो शुद्ध वर्तमान है, इतिहास से परे, स्मृति के संसर्ग से अदूषित, संसार से मुक्त। अगर ऐसा नहीं है, तो वह क्षण नहीं है, क्योंकि वह काल का कितना ही छोटा खण्ड क्यों न हो उसमें मेरा जीना

काल-सापेक्ष जीना है, ऐतिहासिक जीना है। वह बिन्दु नहीं है रेखा है; रेखा परम्परा है और क्षण परम्परामुक्त होना चाहिए।

अथवा

सेल्मा ने कहा था–'वरण की स्वतंत्रता कहीं नहीं है, हम कुछ भी स्वेच्छा से नहीं चुनते हैं।' ईश्वर भी शायद स्वेच्छाचारी नहीं है–उसे भी सृष्टि करनी ही है क्योंकि उन्माद से बचने के लिए सृजन अनिवार्य है; वह सृष्टि नहीं करेगा तो पागल हो जाएगा।

(ख) रात को हाथ-मुंह धोकर, नाइट-सूट पहनकर, बिना एक बार भी 'नहीं' किए दूध पीकर एकदम राजा बेटा बना हुआ वह मम्मी के पास आया। लेकिन मम्मी ने फिर भी उसे अपने पास सोने के लिए नहीं कहा। थोड़ी देर वह इस प्रतीक्षा में खड़ा रहा, फिर बिना कहे कि वह मम्मी के पलंग में लेट गया। मन हुआ मम्मी के तिल पर धीरे-धीरे उंगली फेरे, उनके गले में बांहें डाल दे, पर आज जैसे उससे कुछ भी करते नहीं बन रहा था। बस, सवेरे से वह टुकुर-टुकुर मम्मी को देखता रहा है और प्रतीक्षा करता रहा है कि अब कुछ हो, अब कुछ हो। होना क्या था, यह शायद उसे भी नहीं मालूम था। पर फिर भी जैसे 'कुछ होने' की उसने हर क्षण प्रतीक्षा जरूर की है।

अथवा

मम्मी डॉक्टर साहब के साथ बाहर गई हैं और वह कमरे में अकेला बैठा है। चारों ओर बत्तियां जगमगा रही हैं, फिर भी बंटी के मन में न जाने कैसा डर समा रहा है। रात में वह कभी घर से बाहर नहीं सोया, अब कैसे सोएगा यहां? और

आंखों के सामने वह नीले परदेवाला कमरा घूम गया। फिर भी डर है कि बढ़ता ही जा रहा है। अपने घर से आया है। तब से अब तक यही लग रहा था, वह केवल यहां आया है। तभी शायद उस समय उसे उतनी घबराहट नहीं हो रही थी। पर अब जैसे-जैसे रात बीतती जा रही है, यह एहसास कि वह केवल आया ही नहीं है, उसे यहां रहना भी है, केवल आज ही नहीं, हर दिन, हर रात। और इस बात के साथ ही मन है कि जैसे डूबता चला जा रहा है।

(ग) "साहिबान, मैं आपसे कहता हूँ कि हिन्दू-मुसलमान भाई-भाई हैं, शहर में फिसाद हो रहा है, आगजनी हो रही है और उसे कोई रोकता नहीं। डिप्टी कमिश्नर अपनी मेम को अपनी बांहों में लेकर बैठा है और मैं कहता हूँ कि हमारा दुश्मन अंग्रेज है। गांधी जी कहते हैं कि वही हमें लड़ाता है और हम भाई-भाई हैं। हमें अंग्रेज की बातों में नहीं आना चाहिए। और गांधी जी का फर्मान है कि पाकिस्तान मेरी लाश पर बनेगा। मैं भी कहता हूँ कि पाकिस्तान मेरी लाश पर बनेगा, हम एक हैं, हम भाई-भाई हैं, हम मिलकर रहेंगे.....।"

अथवा

लीजा को फिर से गुमसुम देखकर रिचर्ड बोला, 'आज मैंने हेल्थ-ऑफिसर की पत्नी से कहा है कि रिफ्यूजियों के लिए सामान इकट्ठा करे– यहां पर गांवों से आनेवाले रिफ्यूजियों के लिए दो कैम्प खोले जा रहे हैं। और मैंने उसे यकीन दिलाया है कि तुम इस काम में हाथ बटाओगी।' फिर अपने सुझाव को अधिक स्पष्ट करते हुए बोला, रिफ्यूजियों के लिए कपड़ा, रिफ्यूजी बच्चों के लिए खान-पान की चीजें और खिलौने तुम इकट्ठा कर सकती हो। इससे तुम्हें घूमने-फिरने का मौका मिलेगा.....।' 3×7=21

(3×10=30)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए :

(क) 'तमस' उपन्यास की राजनीतिक चेतना स्पष्ट करें।

(ख) वर्तमान परिप्रेक्ष्य में 'तमस' उपन्यास की प्रासंगिकता को स्पष्ट करें।

(ग) बाल मनोविज्ञान की दृष्टि से 'आपका बंटी' उपन्यास का विश्लेषण करें।

(घ) वर्तमान संदर्भ में 'आपका बंटी' उपन्यास को रखकर उसकी प्रासंगिकता स्पष्ट करें।

(ङ) अस्तित्ववादी दर्शन के परिप्रेक्ष्य में 'अपने अपने अजनबी' उपन्यास की व्याख्या करें।

(च) 'अपने अपने अजनबी' उपन्यास में योके और सेल्मा का चरित्र-चित्रण करें। 3×18=54

(3×20=60)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के अति लघु उत्तर दीजिए :

(क) शगुन को केन्द्र में रखकर 'आपका बंटी' उपन्यास का क्या स्त्रीवादी पाठ संभव है? संक्षेप में बतलाएं।

(ख) 'आपका बंटी' उपन्यास का वर्तमान संदर्भ स्पष्ट करें।

(ग) 'अपने अपने अजनबी' मनोविज्ञान के स्तर पर काफी सुदृढ़ उपन्यास है, संक्षेप में अपनी राय व्यक्त करें।

(घ) उपन्यास 'अपने अपने अजनबी' में अज्ञेय के कविरूप का भी काफी फायदा मिला है। अपनी राय व्यक्त करें।

(ङ) 'तमस' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता को संक्षेप में स्पष्ट करें। 5×1=5

(5×2=10)

---